

अपील



प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

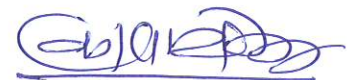
हमारा देश भाषायी विविधता एवं बहुआयामी संस्कृति के होते हुए भी अनेकता में एकता की भावना को सुदृढ़ करता है। हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का सबसे शक्तिशाली एवं प्रभावशाली माध्यम है जिसमें भारतीय जनमानस की संवेदनाओं को सरलता व सुगमता से व्यक्त करने का सामर्थ्य है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर, 1949 को अंगीकार किया था। इस महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में पूरे भारत वर्ष में हम प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते हैं।

संपूर्ण देश आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष में अपने गौरवशाली इतिहास का स्मरण कर अपने स्वर्णिम भविष्य की ओर देख रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज के नव भारत के निर्माण में संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी ने अतुलनीय योगदान दिया है। हमारे संविधान निर्माताओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हिंदी राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य की ओर अग्रसर है। हिंदी अपनी सरलता, सहजता और सुबोधता से भारत के जनजन का कंठ बनी है।

हिंदी हमारी इसी जन आकांक्षाओं की सहज वाहक बनकर देश प्रेम की उच्चतर भावना का संचार कर रही है। अतः आज हमें अपनी भाषायी विरासत और विविधता पर गौरवान्वित होने का क्षण है। राजभाषा हिंदी में कार्य करना हम सभी का संवैधानिक दायित्व है। इस अवसर पर आप सब भी शपथ लें कि आप अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करेंगे और अपना शत प्रतिशत कार्य हिंदी में ही करेंगे और राजभाषा के विकास एवं इसकी उत्तरोत्तर वृद्धि में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे।

यह बहुत ही प्रसन्नता की बात है कि पंचायती राज मंत्रालय में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन कर विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। मैं सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूं कि आप सभी अपना शत प्रतिशत कार्य हिंदी में ही करें और राजभाषा नीति से संबंधित प्रावधानों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करें।

शुभकामनाओं सहित,



(कपिल मोरेश्वर पाटील)